तु मन की अति भोरि

तु मन की अति भोरी ओ मईया मोरी तू मन की अति भोरी,
जा को घर भरियो दही माखन सू,
वो क्यो करन लग्यो चोरी,
ओ मईया मोरी तू मन की अति भोरी,

ना काहु को माखन खायो ना कोई मटकी फोडी,
मोरे मुख माखन मल के रे सनमुख,
लाई अहीर की छोरी,
ओ मईया मोरी तू...

दिन दिन भर मे तो धेनु चरावत करत चाकरी तोरी,
फिर उपर से वाकी सुनत है ,
झुठी कहानी जोरी,
ओ मईया मोरी तू मन की अति भोरी....

Rashid mayur 9672602462

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2965/title/tu-maan-ki-ati-bhori-oo-maiyan-mori

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |